B.A. - III (New CBCS Pattern) Semester-V

BA25B-3 - Hindi Literature

P. Pages : 4 | **GUG/W/24/13020**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

* 4 8 5 8 *

सुचना :- सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। **20**

अ) छायावादी काव्यधारा में श्री जयशंकर प्रसाद का स्थान निर्धारित कीजिए।

अथवा

आ) "सुमित्रानंदन पंत प्रेम और प्रकृति के कवि है।" इसे सिध्द कीजिए।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से **किसी एक** खण्ड के सभी अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। **20**

समूह - 'अ'

इ) छिल-छिल कर छाले फोड़े
मल-मल कर मृदुल चरण से
धुल-धुल कर वह रह जाते
आँसू करूणा के जल से।
इस विकल वेदना को ले
किसने सुख को ललकारा
वह एक अबोध अकिंचन
बेसुध चैतन्य हमारा।

ई) चढ़ रही थी धूप;
गर्मीयों के दिन
दिवा का तमतमाता रुप;
उठी झुलसाती हुई लू,
रुई ज्यों जलती हुई भू,
गर्द चिनगीं छा गई
प्राय: हुई दोपहर:
वह तोड़ती पत्थर।

उ) "कहती थीं माता मुझे सदा राजीवनयन।
दो नील कमल हैं शेष अभी, यह पुरश्चरण
पूरा करता हूँ देकर मात: एक नयन।"
कहकर देखा तूणीर ब्रह्मगर रहा झलक,
ले लिया हस्त, लकलक करता वह महाफलक;
ले अस्म वाम कर, दक्षिण कर दक्षिण लोचन
ले अर्पित करने को उद्यत हो गए सुमन।

ऊ) चित शून्य-आज जग, नव निनाद से हो गुंजित,
मन जड़-उसमें नव स्थितियों के गुण हों जागृत,
तुम जड़ चेतन की सीमाओं के आर पार
झंकृत भविष्य का सत्य कर सको स्वराकार,
वाणी मेरी, चाहिए तुम्हें क्या अलंकार।

अथवा

खण्ड - 'ख'

ए) अब, सुन बे! गुलाब,
भूल मत जो पायी खुशबू, रंग - ओ - आब
खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट
डाल पर इतरा रहा है के पीटलीस्ट।
कितनों को तुने बनाया है गुलाम
मालो कर रक्खा, सहाया जाड़ा-धाम,
हाथ जिसके तु लगा,
पैर सर रखकर वो पीछे को भागा
औरत की जानिब मैदान यह छोड़कर

ऐ) मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र हग-सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निज महाकार,
जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण-सा फैला है विशाल।

ओ) चढ़ रही थी धूप;
गर्मियों के दिन
दिवा का तमतमाता रुप;
उठी झुलसाती हुई लू,
रूई ज्यों जलती हुई भू,
गर्द चिनगी छा गई,
प्राय: हुई दुपहर:
वह तोड़ती पत्थर।

औ) यह अन्तिम जप, ध्यान में देखते चरण युगल
राम ने बढ़ाया कर लेने को नीलकमल।
कुछ लगा न हाथ हुआ सहसा स्थिर मन चंचल
ध्यान की भूमि से उतरे, खोले पलक विमल।

3. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **15**

1) हिमाद्री तुंग-श्रृंग से कविता का भावार्थ लिखिए।

2) हनुमान राम के अनन्य भक्त हैं। राम की शक्तिपूजा के आधार पर संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

3) पर्वत प्रदेश में पावस कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए।

4) कुकुरमुत्ता ने गुलाब को शोषक और पूँजीपति मानकर क्या कहा है?

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **15**

1) रीतिकाल का आशय स्पष्ट कर बतलाइए रीतिकाल को कितने नामों से जाना जाता है।

2) रीतिकाल की विशेषताएँ लिखिए।

3) रीतिकालीन प्रमुख कवियों के नाम लिखकर उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

4) रीतिमुक्त और रीतिबध्द में अक्षर स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित सभी अति लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है। **10**

1) रीतिकाल का समय लिखकर बतलाइए रीतिकाल का समय कब से कब तक रीतिकाल माना गया है।

2) पत्थर तोड़ने वाली स्त्री को कवि ने कहा देखा था?

3) नवाब ने गुलाब कहाँ से मँगाये थे?

4) वाणी कविता के रचयिता कौन है?

5) कवि ने ऐसा क्यों कहा है कि "उच्छ्वास और आँसू में विश्राम थका सोता है।"

****